विषय-सूची

इकाई 1 अध्याय 1–2
स्रोत एवं उपागम

1. आधुनिक भारतीय इतिहास के स्रोत **1**

पुरालेखीय सामग्री 1
केंद्र सरकार के पुरालेख 2
राज्य सरकारों के पुरालेख 3
तीन प्रेजिडेंसीज के पुरालेख 3
अन्य यूरोपीय शक्तियों के पुरालेख 4
प्रकाशित अभिलेख 4
न्यायिक अभिलेख 5
विदेशी संग्रहालयों की पुरालेख सामग्री 5
निजी पुरालेख 6
साहित्यिक स्रोत 7
जीवनी, संस्मरण एवं यात्रा-वृत्तांत 7
समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं 8
सृजनात्मक साहित्य 10
मौखिक प्रमाण 12
चित्रकला 12
सारांश 14

2. आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन के प्रमुख उपागम **15**

औपनिवेशिक उपागम 15
राष्ट्रवादी उपागम 16
मार्क्सवादी उपागम 17
अधीनस्थ/उपाश्रित उपागम 18
संप्रदायवादी उपागम 18
कैम्ब्रिज स्कूल उपागम 19
उदारवादी एवं नव-उदारवादी उपागम 20
नारीवादी उपागम 20
सारांश 21

इकाई 2 अध्याय 3–5

भारत में यूरोपियों का आगमन एवं ब्रिटिश शासन का सुदृढ़ीकरण

3. भारत में यूरोपियों का आगमन 22

भारत में पुर्तगाली 24
- भारत को जोड़ने वाले समुद्री मार्ग की खोज 24
- व्यापार से शासन तक 25
- पुर्तगालियों की व्यापारिक एवं राजनीतिक स्थिति 29
- पुर्तगालियों ने मुगलों का विश्वास खोया 32
- पुर्तगालियों का पतन 35
- पुर्तगालियों का महत्व 37

डच 38
- भारत में डच व्यापार की स्थापना 39
- डच-आंग्ल संघर्ष 40
- भारत में डचों का पतन 41

अंग्रेज 42
- महारानी एलिजाबेथ प्रथम का चार्टर 43
- ईस्ट इंडिया कंपनी की प्रगति 43
- अन्य कंपनियां 46
- पुर्तगालियों एवं डचों के साथ अंग्रेजों का संघर्ष 48
- अंग्रेजों के व्यापार एवं विस्तार का प्रभाव 48

फ्रांसीसी 49
- भारत में फ्रांसीसी केंद्रों की स्थापना 49
- सर्वोच्चता हेतु आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्ष: कर्नाटक युद्ध 51
- फ्रांसीसियों की असफलता के कारण 60

डेन्स 62

अन्य यूरोपीय शक्तियों की तुलना में अंग्रेज सफल क्यों हुए 62
- व्यापारिक कंपनियों की संरचना एवं प्रकृति 62
- नौसैन्य सर्वोच्चता 63
- औद्योगिक क्रांति 63
- सैन्य कौशल एवं अनुशासन 63
- स्थायी सरकार 65

धर्म के प्रति न्यून उत्साह 66
ऋण बाजार का उपयोग 66
सारांश 66
बॉक्स
पुर्तगालियों का उत्थान एवं पतन 36
ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रारंभिक वर्ष 47
भारत में डूप्ले का उत्थान एवं पतन 55
यूरोपीय व्यापार की संरचना 64

4. ब्रिटिश विजय के समय भारत की स्थिति 70

मुगलों के समक्ष चुनौतियां 70
बाह्य चुनौतियां 70
आंतरिक चुनौती: औरंगजेब के पश्चात कमजोर शासक 72
मुगल साम्राज्य के विघटन के कारण 75
दो वर्गों द्वारा राज्य शक्ति में हिस्सेदारी 76
विभिन्न क्षेत्रीय शक्तिशाली समूहों का उद्‌गम 77
आर्थिक एवं प्रशासनिक समस्याएं 79
स्वायत्त क्षेत्रीय राज्यों का उदय 80
क्षेत्रीय साम्राज्यों का सर्वेक्षण 81
क्षेत्रीय राज्यतंत्रों की प्रकृति एवं सीमाएं 88
सामाजिक-आर्थिक दशाएं 89
कृषि 89
व्यापार एवं उद्योग 90
शैक्षिक स्थिति 91
सामाजिक व्यवस्था 91
कला, स्थापत्य एवं संस्कृति का विकास 93
सारांश 94
बॉक्स
पानीपत में साम्राज्य ध्वस्त करने वाली लड़ाइयां क्यों हुईं? 72
संक्षेप में मुगलों के पतन के कुछ मुख्य कारण 79

5. भारत में ब्रिटिश शक्ति का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण 96

ब्रिटिश साम्राज्य का इतिहास 96
ब्रिटिश विजय: संयोगवश या उद्देश्यपूर्ण 97
भारत में ब्रिटिश काल की शुरुआत कब हुई? 98

भारत में ब्रिटिश सफलता के कारण	99
उत्कृष्ट हथियार, सेना, एवं रणनीति	99
बेहतर सैन्य अनुशासन तथा नियमित वेतन	99
असैनिक अनुशासन एवं निष्पक्ष चयन प्रणाली	100
मेधावी नेतृत्व एवं तैयार द्वितीय पंक्ति का नेतृत्व	100
वित्तीय सुदृढ़ता	100
ब्रिटिश राष्ट्रवादी गौरव	101
अंग्रेजों की बंगाल विजय	101
ब्रिटिश विजय से पूर्व का बंगाल	101
अलीवर्दी खां और अंग्रेज	102
सिराज-उद-दौला के सम्मुख चुनौतियां	103
प्लासी का युद्ध	105
मीर जाफर तथा अंग्रेज	106
मीर कासिम की अंग्रेजों के साथ संधि	107
बक्सर का युद्ध	107
इलाहाबाद की संधि	109
प्लासी एवं बक्सर के युद्धों का महत्व	110
बंगाल में द्वैध शासन (1765-72)	110
कंपनी के विरुद्ध मैसूर का प्रतिरोध	112
वोडेयार/मैसूर वंश	112
हैदर अली का उदय	113
प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1767-1769)	113
द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1780-84)	114
तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1790-1792)	115
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध (मार्च 1799-मई 1799)	116
टीपू सुल्तान के पश्चात मैसूर	118
सर्वोच्चता हेतु आंग्ल-मराठा संघर्ष	118
मराठा शक्ति का उदय	118
मराठा राजनीति में अंग्रेजों का प्रवेश	119
प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध (1775-82)	119
द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1803-1805)	121
तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1817-19)	124
मराठा शक्ति की पराजय के कारण	126

सिंध विजय 129
तालपुर अमीरों का उदय 130
सिंध पर क्रमिक प्रभुत्व 130
सिंध विजय की आलोचना 133
पंजाब विजय 134
सिखों के अधीन पंजाब का एकीकरण 134
रणजीत सिंह एवं अंग्रेज 134
रणजीत सिंह के पश्चात पंजाब 135
प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध (1845-1846) 136
द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध (1848-49) 137
आंग्ल-सिख युद्धों का महत्व 138
ब्रिटिश प्रभुता का प्रशासनिक नीति द्वारा विस्तार 138
घेरे (रिंग-फेंस) की नीति 138
सहायक संधि 139
व्यपगत का सिद्धांत (डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स) 140
ब्रिटिश भारत के सीमावर्ती देशों के साथ संबंध 144
आंग्ल-भूटान संबंध 145
आंग्ल-नेपाल संबंध 145
आंग्ल-बर्मा संबंध 146
आंग्ल-तिब्बत संबंध 149
आंग्ल-अफगान संबंध 154
ब्रिटिश भारत एवं उत्तर-पश्चिम सीमावर्ती प्रदेश 158
सारांश 159

बॉक्स

रॉबर्ट क्लाइव 109
टीपू सुल्तान का आकलन 117
अवध का समामेलन 139
अफीम युद्ध 152

इकाई 3 **अध्याय 6-7**

कंपनी शासन के विरुद्ध बढ़ता विद्वेष

6. 1857 से पूर्व एवं पश्चात ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध जन-असंतोष **161**

जन-विद्रोह 161

जन-विद्रोह का उद्‌भव 162
जिम्मेदार कारक 162
नागरिक विद्रोह 163
नागरिक विद्रोह के प्रमुख कारण 163
नागरिक विद्रोह की सामान्य विशेषताएं 164
प्रमुख नागरिक विद्रोह 164
किसान आंदोलन 177
नारकेलबेरिया विद्रोह (1782-1831) 177
पागलपंथी विद्रोह (1825-50) 177
फरायजी विद्रोह (1838-57) 177
मोपला विद्रोह (1836-54) 178
1857 के विद्रोह में किसानों की भूमिका 178
फुलागुरी धेवा/धावा या विद्रोह (1861) 178
नील विद्रोह (1859-60) 179
पथरुघाट विद्रोह (1894) 180
बिजौलिया किसान आंदोलन (1897-1941) 181
हरसे छीना मोघा मोर्चा (1946-47) 183
आदिवासी विद्रोह 183
मुख्य भूमि एवं पूर्वोत्तर आदिवासी विद्रोहों के विभिन्न कारण 184
आदिवासी विद्रोहों की विशेषताएं 185
कुछ महत्वपूर्ण आदिवासी आंदोलन 186
1857 के बाद के कुछ आदिवासी आंदोलन 199
पूर्वोत्तर के आदिवासी आंदोलन 203
संक्षेप में अन्य विरोध आंदोलन 209
सिपाही विद्रोह 210
कारण 210
महत्वपूर्ण विद्रोह 211
जन-विद्रोहों की कमजोरियां 211
सारांश 212
बॉक्स
आदिवासी आंदोलनों के चरण 185

7. 1857 का विद्रोह 218

धीमी गति से बढ़ता असंतोष 218

1857 का विद्रोह: मुख्य कारण 219
आर्थिक कारण 219
राजनैतिक कारण 220
प्रशासनिक कारण 220
सामाजिक-धार्मिक कारण 221
बाहरी घटनाओं का प्रभाव 221
सिपाहियों के बीच असंतोष 221
विद्रोह का प्रारंभ एवं विस्तार 222
विद्रोह की चिंगारी 222
क्रांति की शुरुआत 224
प्रतीकात्मक प्रमुख के रूप में बहादुरशाह जफर का चुनाव 225
विद्रोह में लोगों की सहभागिता 225
विद्रोह के प्रमुख केंद्र एवं नेतृत्वकर्ता 226
विद्रोह का दमन 229
विद्रोह असफल क्यों हुआ? 230
अखिल भारतीय सहभागिता का अभाव 230
सभी वर्गों का शामिल न होना 231
एक संगठित एवं एकबद्ध विचारधारा का अभाव 231
निश्चित समय की प्रतीक्षा न करना 231
देशी राजाओं का देशद्रोही रुख 232
सांप्रदायिकता का खेल 232
संपूर्ण देश में प्रसारित न होना 232
शस्त्रास्त्रों का अभाव 232
सहायक साधनों का अभाव 233
सैनिक संख्या में अंतर 233
हिंदू-मुस्लिम एकता 233
विद्रोह की प्रकृति 234
विद्रोह के परिणाम 237
विद्रोह का महत्व 242
सारांश 242
बॉक्स
अफवाहें और उनकी स्वीकृति 223
श्वेत विद्रोह (व्हाइट म्युटिनी) 239

इकाई 4 अध्याय 8-9
सुधार आंदोलन

8. सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनः साधारण विशेषताएं 245

सुधार की भावना को बल देने वाले कारक 245
ब्रिटिश शासन का प्रभाव 246
सामाजिक दशाओं के कारण सुधार 246
पाश्चात्य संस्कृति का विरोध 247
प्रबुद्ध भारतीयों में नवीन जागृति 247
सुधार का सामाजिक एवं विचारधारात्मक आधार 248
मध्य वर्ग का आधार 248
बौद्धिक कसौटी 249
सुधार आंदोलनों की दो धाराएं 250
सामाजिक सुधार की दिशा 251
स्त्रियों की दशा में सुधार के प्रयास 252
जाति आधारित शोषण के विरुद्ध संघर्ष 259
सारांश 265

9. सुधार आंदोलनों एवं सुधारकों का अवलोकन 267

आंदोलन एवं सुधारक 267
ब्रह्म समाज 267
समाज सुधार हेतु राजा राममोहन राय के प्रयास 271
यंग बंगाल आंदोलन तथा हेनरी विवियन डेरोजियो 273
ईश्वरचन्द्र विद्यासागर 274
बालशास्त्री जाम्बेकर 274
परमहंस मंडली 275
दादोबा पांडुरंग तर्खडकर 275
प्रार्थना समाज 276
ज्योतिराव फुले एवं सावित्रीबाई फुले 276
ताराबाई शिंदे 278
विष्णु परशुराम शास्त्री पंडित 279
धोंडो केशव कर्वे 279
रामकृष्ण गोपाल भंडारकर 280

काशीनाथ त्र्यंबक तेलंग	280
भाऊ दाजी लाड	280
गोपाल बाबा वलंगकर	281
किसन फागुजी बनसोड	282
विट्ठल रामजी शिंदे	282
गोपालहरि देशमुख 'लोकहितवादी'	283
गोपाल गणेश अगरकर	284
द सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	284
सोशल सर्विस लीग	284
रामकृष्ण आंदोलन एवं स्वामी विवेकानंद	285
विष्णु भीकाजी गोखले	288
थियोसोफिकल आंदोलन	288
इंडियन सोशल कॉन्फ्रेंस	289
दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज	290
सेवा सदन	292
देव समाज	292
धर्म सभा	293
भारत धर्म महामंडल	293
राधास्वामी आंदोलन	294
कुंदुकूरि वीरेशलिंगम	294
श्री नारायण गुरु धर्म परिपालन (एसएनडीपी) आंदोलन	295
जस्टिस पार्टी	296
आत्म-सम्मान आंदोलन	296
मंदिर प्रवेश आंदोलन	297
वहाबी वलीउल्लाह आंदोलन	299
टीटू मीर का आंदोलन	299
फरायजी आंदोलन	299
अहमदिया आंदोलन	300
सर सैय्यद अहमद खान एवं अलीगढ़ आंदोलन	300
देवबंद स्कूल (दारूल उलूम)	302
पारसी सुधार आंदोलन	304
सिख सुधार आंदोलन	304
सुधार आंदोलनों का महत्व	308
सकारात्मक पहलू	308
नकारात्मक पहलू	309

सारांश 310
बॉक्स
बब्बर अकाली आंदोलन 307

इकाई 5 अध्याय 10-11
स्वतंत्रता संघर्ष का आरंभ

10. भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद का प्रारंभ 312

भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के लिए उत्तरदायी कारक 313
भारतीय एवं उपनिवेशी हितों में संघर्ष 313
देश का राजनीतिक, प्रशासनिक एवं आर्थिक एकीकरण 313
पाश्चात्य चिंतन तथा शिक्षा 314
प्रेस एवं साहित्य की भूमिका 315
भारत के अतीत का पुनः अध्ययन 316
सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों का विकासात्मक स्वरूप 317
मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों का उत्थान 317
समकालीन घटनाओं का विश्वव्यापी प्रभाव 317
विदेशी शासकों का नस्लीय अहंकार तथा प्रतिक्रियावादी नीतियां 318
राष्ट्रवाद का प्रारंभिक आविर्भावः राजनीतिक संस्थाएं 319
बंगाल में राजनीतिक संस्थाएं 319
बॉम्बे में राजनीतिक संस्थाएं 321
मद्रास में राजनीतिक संस्थाएं 321
अग्रणी राष्ट्रीय संगठन 321
कांग्रेस से पहले चलाए गए अभियान 323
सारांश 323

11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः स्थापना एवं उदारवादी चरण 325

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 325
क्या कांग्रेस की स्थापना के पीछे 'सेफ्टी वॉल्व' की अवधारणा थी? 326
कांग्रेस के लक्ष्य एवं उद्देश्य 327
कांग्रेस का उदारवादी चरण (1885-1905) 327
प्रमुख नेता 327
उदारवादी उपागम 328

उदारवादी राष्ट्रवादियों का योगदान 328
ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आर्थिक नीतियों की आलोचना 328
व्यवस्थापिका में संवैधानिक सुधार एवं अधिप्रचार 329
सामान्य प्रशासकीय सुधारों हेतु उदारवादियों के प्रयास 331
नागरिक अधिकारों की सुरक्षा 332
प्रारंभिक राष्ट्रवादियों के कार्यों का मूल्यांकन 333
जन-साधारण की भूमिका 333
ब्रिटिश सरकार का रुख 335
सारांश 336
बॉक्स
भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 330

इकाई 6 अध्याय 12-14
राष्ट्रीय आंदोलन (1905-18)

12. उग्र-राष्ट्रवाद का युग (1905-09) 337

उग्र-राष्ट्रवाद के उदय के कारण 338
अंग्रेजी राज्य के सही स्वरूप की पहचान 338
आत्मविश्वास तथा आत्म-सम्मान में वृद्धि 339
शिक्षा का विकास 340
अंतरराष्ट्रीय प्रभाव 340
बढ़ते हुए पश्चिमीकरण के विरुद्ध प्रतिक्रिया 341
उदारवादियों की उपलब्धियों से असंतोष 341
कर्जन की प्रतिक्रियावादी नीतियां 341
जुझारू राष्ट्रवादी विचारधारा का अस्तित्व 342
एक प्रशिक्षित नेतृत्व का उद्भव 342
स्वदेशी एवं बहिष्कार आंदोलन 343
लोगों को विभाजित करने हेतु बंगाल का विभाजन 343
उदारवादियों द्वारा बंगाल विभाजन का विरोध (1903-1905) 344
कांग्रेस की स्थिति 345
उग्र-राष्ट्रवादियों के नेतृत्व में आंदोलन 345
उग्र-राष्ट्रवादियों का कार्यक्रम 346
संघर्ष का नया स्वरूप एवं प्रभाव 347

जनसहभागिता का दायरा 350
आंदोलन का अखिल भारतीय पहलू 352
बंगाल विभाजन का लोप 352
स्वदेशी आंदोलन का मूल्यांकन 353
स्वदेशी आंदोलन की असफलता 353
आंदोलन एक क्रांतिकारी परिवर्तन सिद्ध हुआ 353
सूरत विभाजन 356
सूरत का रुख 356
विभाजन सुनिश्चित होना 358
सरकार द्वारा दमन 358
सरकार की रणनीति 359
मॉर्ले-मिंटो सुधार (1909) 360
मुख्य सुधार 361
सुधार का मूल्यांकन 362
सारांश 364
बॉक्स/तालिका
देशेर कथा 350
उदारवादियों एवं उग्रवादियों में अंतर 355

13. क्रांतिकारी गतिविधियों का प्रथम चरण (1907-17) 368

क्रांतिकारी गतिविधियों की लहर 368
क्रांतिकारी कार्यक्रम 369
क्रांतिकारी गतिविधियों का अवलोकन 369
बंगाल 369
महाराष्ट्र 371
पंजाब 372
दिल्ली 373
विदेशों में क्रांतिकारी गतिविधियां 373
क्रांतिकारी गतिविधियों में धीमापन 379
सारांश 380
बॉक्स
डॉ. पांडुरंग सदाशिव खानखोजे 377

14. प्रथम विश्व युद्ध एवं राष्ट्रवादी प्रत्युत्तर 383

त्रिविध राष्ट्रवादी प्रत्युत्तर 383
होमरूल लीग आंदोलन 384

आंदोलन हेतु उत्तरदायी कारक 384
लीग 385
होमरूल लीग आंदोलन कार्यक्रम 386
लीग के प्रति सरकार का रुख 387
क्या कारण था कि 1919 तक आते-आते आंदोलन धीमा पड़ गया? 388
होमरूल लीग आंदोलन की उपलब्धियां 389
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन (1916) 389
अतिवादियों का कांग्रेस में पुनः प्रवेश 389
कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता 390
मोंटेग्यू की अगस्त 1917 की घोषणा 393
मोंटेग्यू घोषणा का महत्व 393
भारतीयों की आपत्ति 393
सारांश 394

इकाई 7 अध्याय 15-21

जन-राष्ट्रवाद के युग का शुभारंभ (1919-39)

15. गांधी का अभ्युदय 396

राष्ट्रवाद के पुनः जीवंत होने के कारण 396
युद्धोपरांत आर्थिक कठिनाइयां 396
युद्ध में सहयोग के बदले राजनीतिक लाभ की अपेक्षाएं 397
विश्वव्यापी साम्राज्यवाद से राष्ट्रवादियों का मोहभंग 397
रूसी क्रांति का प्रभाव 398
मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार और भारत सरकार अधिनियम, 1919 399
अधिनियम के प्रमुख प्रावधान 399
अधिनियम का मूल्यांकन 402
कांग्रेस की प्रतिक्रिया 403
गांधी जी का अभ्युदय 404
प्रारंभिक जीवन तथा दक्षिण अफ्रीका में सत्य का प्रयोग 404
दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के अनुभव 407
गांधी जी की सत्याग्रह की तकनीक 408
गांधी जी की भारत वापसी 408

चम्पारण सत्याग्रह (1917)—प्रथम सविनय अवज्ञा 409
अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)—प्रथम भूख हड़ताल 410
खेड़ा सत्याग्रह (1918)—प्रथम असहयोग 411
चम्पारण, अहमदाबाद तथा खेड़ा में गांधी जी की उपलब्धियां 411
रौलेट एक्ट, सत्याग्रह, और जलियांवाला बाग जनसंहार 412
रौलेट एक्ट 412
रौलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह—प्रथम जनांदोलन 412
जलियांवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल, 1919) 413
हंटर जांच आयोग 415
कांग्रेस का दृष्टिकोण 417
सारांश 417
बॉक्स
टॉल्सटॉय फार्म 406

16. खिलाफत एवं असहयोग आंदोलन 419

पृष्ठभूमि 419
खिलाफत का मुद्दा 420
खिलाफत-असहयोग कार्यक्रम 421
खिलाफत के प्रश्न पर कांग्रेस का रवैया 421
कांग्रेस को मुस्लिम लीग का समर्थन 422
असहयोग-खिलाफत आंदोलन 422
आंदोलन का प्रसार 424
जन-प्रतिक्रिया 426
ब्रिटिश सरकार की प्रतिक्रिया 429
आंदोलन का अंतिम चरण 429
गांधी जी ने आंदोलन वापस क्यों लिया 431
खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन का मूल्यांकन 432
सारांश 433
बॉक्स
सीताराम राजू और रंपा विद्रोह: उग्रवादी समानांतर आंदोलनों की निरंतरता 427

17. स्वराजियों, समाजवादी विचारों, क्रांतिकारी गतिविधियों एवं अन्य नवीन शक्तियों का उदय 434

स्वराजी एवं परिवर्तन विरोधी 434

कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी का उदय 434
स्वराजियों का तर्क 435
परिवर्तन विरोधियों का तर्क 436
सहमति से असहमति 436
स्वराजियों का चुनाव घोषणा-पत्र 436
गांधी जी का रुख 437
विधानमंडलों में स्वराजियों की गतिविधियां 438
परिवर्तन विरोधियों के रचनात्मक कार्य 439
नई शक्तियों–समाजवादी विचार, युवा शक्ति, व्यापार संघ–का उदय 440
समाजवादी एवं मार्क्सवादी विचारों का प्रसार 441
भारतीय युवाओं की सक्रियता 442
किसानों के प्रदर्शन 442
व्यापार संघ का विकास 442
जातीय आंदोलन 443
क्रांतिकारी गतिविधियों का समाजवाद की ओर झुकाव 443
1920 के दशक में क्रांतिकारी गतिविधियां 443
असहयोग आंदोलन के पश्चात लोग क्रांतिकारी गतिविधियों की ओर आकर्षित क्यों हुए? 443
प्रमुख प्रभावी कारक 444
पंजाब-संयुक्त प्रांत-बिहार में 445
बंगाल में 448
सरकार की प्रतिक्रिया एवं पतन 451
क्रांतिकारी दर्शन का प्रतिपादन 451
सारांश 454

18. साइमन कमिशन एवं नेहरू रिपोर्ट 456

सुधारों की प्रगति की समीक्षा हेतु उठाए गए कदम 456
भारतीय विधिक आयोग की नियुक्ति 457
भारतीय प्रतिक्रिया 457
पुलिस का दमन 459
राष्ट्रीय आंदोलन पर साइमन कमिशन की नियुक्ति का प्रभाव 459
साइमन कमिशन की अनुशंसाएं 460
नेहरू रिपोर्ट 460

मुख्य अनुशंसाएं 461
मुस्लिम एवं हिंदू सांप्रदायिक प्रतिक्रिया 463
जिन्ना द्वारा प्रस्तुत संशोधन 464
नेहरू रिपोर्ट से असंतुष्टि 465
सारांश 466
बॉक्स/तालिका
डॉ. अंबेडकर एवं साइमन कमिशन 458
साइमन कमिशन रिपोर्ट तथा नेहरू रिपोर्ट में अंतर 462

19. सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं गोलमेज सम्मेलन 467

सविनय अवज्ञा आंदोलन की पृष्ठभूमि का निर्माण 467
कांग्रेस का कलकत्ता अधिवेशन 467
1929 के दौरान राजनीतिक गतिविधियां 468
लॉर्ड इरविन की घोषणा (31 अक्टूबर, 1929) 468
दिल्ली घोषणा-पत्र 469
लाहौर अधिवेशन और पूर्ण स्वराज्य 469
26 जनवरी, 1930: स्वतंत्रता की शपथ 471
सविनय अवज्ञा आंदोलन–नमक सत्याग्रह एवं अन्य विप्लव 472
गांधी जी की ग्यारह सूत्रीय मांगें 472
नमक को केंद्रीय मुद्दे के रूप में क्यों चुना गया 473
दांडी मार्च (12 मार्च-6 अप्रैल, 1930) 473
नमक कानून की अवज्ञा का प्रसार 474
प्रदर्शन का प्रभाव 480
जन सहभागिता की व्यापकता 480
सरकार की प्रतिक्रिया–संघर्ष-विराम के प्रयास 481
गांधी-इरविन समझौता 482
सविनय अवज्ञा आंदोलन का मूल्यांकन 483
कांग्रेस का कराची अधिवेशन–1931 485
कराची में कांग्रेस का प्रस्ताव 485
गोलमेज सम्मेलन 489
प्रथम गोलमेज सम्मेलन 489
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 490
तृतीय गोलमेज सम्मेलन 491

सविनय अवज्ञा आंदोलन का पुनः प्रारंभ 491
संघर्ष-विराम का काल (मार्च-दिसंबर 1931) 491
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के पश्चात सरकार का परिवर्तित रवैया 492
सरकार की कार्रवाई 492
जनता की प्रतिक्रिया 493
साम्प्रदायिक अधिनिर्णय और पूना समझौता 493
साम्प्रदायिक अधिनिर्णय के प्रमुख प्रावधान 494
कांग्रेस का पक्ष 495
गांधी जी की प्रतिक्रिया 495
पूना समझौता 496
पूना समझौते (पैक्ट) का दलितों पर प्रभाव 497
गांधी जी का हरिजन अभियान एवं जाति संबंधी विचार 498
गांधी जी तथा अंबेडकर के मध्य वैचारिक भिन्नता और समानता 501
सारांश 504
बॉक्स
ध्वज का अंगीकरण 488

20. सविनय अवज्ञा आंदोलन के पश्चात भविष्य की रणनीति पर बहस 506

प्रथम चरण की बहस 506
नेहरू के विचार 507
नेहरू द्वारा संघर्ष-विराम-संघर्ष की रणनीति का विरोध 508
सत्ता में भागीदारी पर सहमति 508
भारत सरकार अधिनियम, 1935 509
अधिनियम की मुख्य विशेषतायें 510
अधिनियम का मूल्यांकन 513
राष्ट्रवादियों की प्रतिक्रिया 514
द्वितीय चरण की रणनीति पर बहस 515
मत-भिन्नता 515
गांधी जी की स्थिति 516
कांग्रेस का चुनाव घोषणा-पत्र 516
कांग्रेस का प्रदर्शन 516
सारांश 517

21. प्रांतों में कांग्रेस शासन **518**

गांधी जी की सलाह 518
कांग्रेस मंत्रालयों के अधीन कार्य 518
नागरिक स्वतंत्रता 518
कृषि सुधार 519
मजदूरों के प्रति नजरिया 520
समाज कल्याण संबंधी सुधार 521
मूल्यांकन 522
सारांश 523

इकाई 8 अध्याय 22-25

स्वतंत्रता एवं विभाजन की ओर (1939-47)

22. द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया **524**

संघर्ष के तरीकों को लेकर कांग्रेस में द्वंद्व 524
हरिपुरा एवं त्रिपुरी अधिवेशन: सुभाष चंद्र बोस के विचार 525
गांधी जी एवं सुभाष: विचारधारात्मक मतैक्यता एवं भिन्नता 528
द्वितीय विश्व युद्ध एवं राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया 531
वायसराय को कांग्रेस का प्रस्ताव 531
कांग्रेस कार्यसमिति की वर्धा में बैठक 531
सरकार का दृष्टिकोण तथा कांग्रेस मंत्रिमंडल द्वारा त्यागपत्र 532
सरकार की गुप्त कार्यनीति 533
अगस्त प्रस्ताव 536
प्रत्युत्तर 537
मूल्यांकन 537
व्यक्तिगत सत्याग्रह 537
गांधी जी ने नेहरू को अपना उत्तराधिकारी नामित किया 539
क्रिप्स मिशन 540
क्रिप्स मिशन क्यों भेजा गया 540
मुख्य प्रावधान 540
क्रिप्स मिशन के प्रस्तावों का पूर्ववर्ती प्रस्तावों से भिन्न होना 541
क्रिप्स मिशन क्यों असफल हुआ 541
सारांश 544

बॉक्स

महत्वपूर्ण तिथियां 538

23. भारत छोड़ो आंदोलन, आजाद हिन्द फौज एवं पाकिस्तान की मांग **546**

भारत छोड़ो आंदोलन 546
संघर्ष क्यों अपरिहार्य हो गया 546
'भारत छोड़ो' प्रस्ताव 547
विभिन्न वर्गों को गांधी जी द्वारा दिये गये निर्देश 548
आंदोलन का प्रसार 548
आंदोलन में जनता की भागीदारी 550
सरकारी दमन 551
मूल्यांकन 551
गांधी जी का उपवास 552
1943 का अकाल 553
राजगोपालाचारी फॉर्मूला, 1944 553
फॉर्मूला 553
देसाई-लियाकत समझौता 554
वेवेल योजना 555
सरकार समस्या के समाधान हेतु क्यों तत्पर थी 555
योजना 555
मुस्लिम लीग का मत 556
कांग्रेस का पक्ष 556
वेवेल की भूल 556
आजाद हिन्द फौज और सुभाष चंद्र बोस 557
बोस का बच निकलना तथा फ्रीडम आर्मी 557
आजाद हिन्द फौज का उदय तथा प्रथम चरण 558
आईएनए का दूसरा चरण 559
सारांश 561

24. युद्धोपरांत राष्ट्रीय परिदृश्य **563**

राष्ट्रीय विप्लव के दो पहलू 563
सरकार के दृष्टिकोण में परिवर्तन 563
कांग्रेस का चुनाव अभियान एवं आजाद हिन्द फौज पर मुकदमा 564
राष्ट्रवादी उद्देश्यों हेतु चुनाव प्रचार 565
आईएनए के युद्धबंदियों को कांग्रेस का समर्थन 566
आईएनए के युद्धबंदियों के समर्थन में आंदोलन 566
1945-46 की सर्दियों में–विद्रोह की तीन घटनायें 567

त्रि-स्तरीय पैटर्न 568
विद्रोह की तीनों घटनाओं की शक्ति तथा उनके प्रभाव का मूल्यांकन 569
कांग्रेस की रणनीति 571
चुनाव परिणाम 572
कांग्रेस का प्रदर्शन 572
मुस्लिम लीग का प्रदर्शन 573
चुनाव के महत्वपूर्ण बिंदु 573
कैबिनेट मिशन 573
भारत से अंग्रेजों की वापसी क्यों अपरिहार्य प्रतीत होने लगी 574
कैबिनेट मिशन योजना की पूर्व संध्या 575
कैबिनेट मिशन के प्रस्ताव 576
समूहन व्यवस्था के संबंध में भिन्न-भिन्न व्याख्याएं 578
प्रमुख मत 579
स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता 579
सांप्रदायिक विध्वंस और अंतरिम सरकार 580
सरकार की प्राथमिकताओं में परिवर्तन 580
अंतरिम सरकार 580
मुस्लिम लीग की गतिरोध उत्पन्न करने की मानसिकता तथा भविष्य की रणनीति 582
भारत में सांप्रदायिकता का जन्म एवं विकास 583
भारतीय सांप्रदायिकता की विशिष्टतायें 583
सांप्रदायिकता के कारण 584
द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का उद्भव 587
सारांश 593
बॉक्स
वेवेल का 'ब्रेकडाउन प्लान' 579

25. स्वतंत्रता एवं विभाजन **596**

एटली की घोषणा 596
एटली की घोषणा के प्रमुख बिंदु 596
सरकार ने सत्ता हस्तांतरण हेतु तिथि निर्धारित क्यों की? 597
कांग्रेस का रुख 597
स्वतंत्रता एवं विभाजन 597
माउंटबैटन वायसराय के रूप में 598
माउंटबैटन योजना (3 जून, 1947) 598

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 601
अंग्रेजों की जल्द वापसी के निर्णय से उत्पन्न समस्याएं 603
राज्यों का एकीकरण 603
विभाजन की अनिवार्यता 605
कांग्रेस ने विभाजन क्यों स्वीकार किया? 607
गांधी जी की असमर्थता 609
अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर बाध्य करने वाली शक्तियां 609
ऐतिहासिक उद्देश्य का सिद्धांत 609
साम्राज्यवाद का पतन 609
दो महान शक्तियों का उदय 610
इंग्लैंड में लेबर पार्टी का उदय 610
भारतीय राष्ट्रवाद को रोकने में अंग्रेजों की विफलता 610
विस्फोटक परिस्थितियां तथा कानून व्यवस्था की स्थिति 611
भारतीय नौसेना का विद्रोह 611
वामपंथ का उभरना 611
द्वि-विकल्प सिद्धांत 612
राष्ट्रमंडल का विकल्प 612
सारांश 612
बॉक्स
प्लान बाल्कन 602

इकाई 9 अध्याय 26-32

ब्रिटिश शासन के अधीन भारतः शासन एवं अन्य पहलू

26. संवैधानिक, प्रशासनिक एवं न्यायिक विकास 614

1773 और 1858 के मध्य संवैधानिक विकास 614
रेग्यूलेटिंग एक्ट, 1773 615
पिट्स इंडिया एक्ट, 1784 617
अधिनियम, 1786 618
चार्टर एक्ट, 1793 618
चार्टर एक्ट, 1813 619
चार्टर एक्ट, 1833 620
चार्टर एक्ट, 1853 622
भारत के शासन को बेहतर बनाने हेतु 1858 का अधिनियम 624
1858 के बाद से स्वतंत्रता प्राप्ति तक संवैधानिक विकास 625

भारतीय परिषद अधिनियम, 1861 625
भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 627
भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 628
भारत सरकार अधिनियम, 1919 630
साइमन कमिशन 636
भारत सरकार अधिनियम, 1935 637
भारत में सिविल सेवाओं का विकास 640
वॉरेन हेस्टिंग्स और 1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट 641
कॉर्नवालिस और उसकी संहिता 641
वेलेजली की भूमिका 642
1833 का चार्टर एक्ट 643
चार्टर अधिनियम, 1853 643
1858 में भारत का शासन क्राउन के अधीन आने पर 643
1861 का इंडियन सिविल सर्विस एक्ट 644
सांविधिक सिविल सेवा 644
कांग्रेस की मांग और एचिसन आयोग 645
मोंटफोर्ड सुधार तथा 1919 का अधिनियम 646
ली आयोग (1924) 647
भारत सरकार अधिनियम, 1935 648
ब्रिटिश शासन के अंतर्गत सिविल सेवाओं का मूल्यांकन 648
आधुनिक भारत में पुलिस व्यवस्था का सूत्रपात 649
औपनिवेशिक शासन का आरंभ 649
कॉर्नवालिस की भूमिका 650
मेयो एवं उसके पश्चात 650
चार्ल्स नेपियर का योगदान 651
1860 का पुलिस आयोग और 1861 का पुलिस अधिनियम 651
फ्रेजर आयोग 652
ब्रिटिश शासनाधीन सेना 653
ब्रिटिश शासनाधीन न्यायपालिका का विकास 655
कंपनी के शुरुआती दिन 656
मेयर कोर्ट 657
वॉरेन हेस्टिंग्स के अधीन किए गए सुधार 657
कॉर्नवालिस के अधीन सुधार 659

विलियम बैंटिंक के अधीन सुधार (1828-35) 661
1833 का चार्टर एक्ट और पहला विधि आयोग 661
उच्च न्यायालय 662
1935 अधिनियम के तहत फेडरल कोर्ट 662
मूल्यांकन 663
1857 के पश्चात प्रशासनिक संरचना में प्रमुख परिवर्तन 664
प्रशासनिक परिवर्तनों की उत्पत्ति: औपनिवेशीकरण का नवीन चरण 664
प्रशासन: केंद्रीय, प्रांतीय एवं स्थानीय 665
केंद्रीय सरकार 665
प्रांतीय सरकार 667
स्थानीय निकाय 668
सारांश 672
बॉक्स
सीमित मताधिकार और महिलाओं द्वारा मतदान 634

27. भारत में ब्रिटिश नीतियों का सर्वेक्षण 674

प्रशासनिक नीतियां 674
बांटो एवं राज करो की नीति 674
शिक्षित भारतीयों के प्रति द्वेष 675
जमींदारों के प्रति दृष्टिकोण 675
सामाजिक सुधारों के प्रति दृष्टिकोण 676
अविकसित सामाजिक सेवायें 676
श्रमिक विधान 676
प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध 678
रंगभेद की नीति 679
भू-राजस्व नीतियां 679
हेस्टिंग्स की व्यवस्था 680
स्थायी बंदोबस्त 680
रैयतवाड़ी व्यवस्था 684
महालवाड़ी व्यवस्था 687
ब्रिटिश भू-राजस्व व्यवस्था का समग्र प्रभाव 689
भारत में अंग्रेजों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक नीति 690
नये विचारों की विशेषताएं 691
विचारधाराएं या सिद्धांत 691
भारतीय पुनर्जागरण 692

सरकार के सम्मुख असमंजस की स्थिति 693
ईसाई मिशनरियों की भूमिका 693
ब्रिटिश नीति का बदलना 693
भारतीय रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीति 694
भारत में ब्रिटिश विदेश नीति 695
सारांश 695

28. भारत में ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव 697

अनौद्योगीकरण–भारतीय हस्तशिल्प का ह्रास 699
एकतरफा मुक्त व्यापार 699
आधुनिक औद्योगीकरण की दिशा में कोई प्रयास नहीं 699
गांवों की ओर गमन 700
कृषकों की बढ़ती दरिद्रता 700
पुराने जमींदारों की तबाही तथा बिचौलियों का उदय 701
कृषि की बिगड़ती दशा एवं गतिरोध 701
अकाल एवं निर्धनता 701
ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अधीन प्रमुख अकाल 703
सामान्य कारण 704
अकाल आयोग और अकाल संहिता 708
1900 के बाद विनाशकारी अकालों में कमी क्यों आई 710
देशी रियासतों का क्या हुआ 711
1943 का मानव जन्य बंगाल अकाल 712
सीखे गए सबक 714
भारतीय समाज की प्रतिक्रिया 714
भारतीय कृषि का वाणिज्यीकरण 715
उद्योगों का विनाश एवं आधुनिक उद्योगों का विलंबित विकास 716
राष्ट्रीय बुर्जुआ वर्ग का उदय 718
औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था की राष्ट्रवादी आलोचना 719
आर्थिक निकास 719
ब्रिटिश नीतियों ने भारत को निर्धन बनाया 720
व्यापार और रेल की प्रगति ने ब्रिटेन को लाभ पहुंचाया 722
एकमार्गी मुक्त व्यापार और प्रशुल्क नीति 722
आर्थिक निकास के प्रभाव 723
आर्थिक मामलों ने राष्ट्रीय असंतोष को उग्र बनाया 723
भारत में उपनिवेशवाद के चरण 723
प्रथम चरण 724

द्वितीय चरण 724
तृतीय चरण 726
सारांश 727
बॉक्स
आर्थिक निकास (इकोनॉमिक ड्रेन) 720

29. भारत में प्रेस का विकास 728

प्रारंभिक विनियमन 728
समाचार-पत्रों का पत्रेक्षण अधिनियम, 1799 728
अनुज्ञप्ति नियम, 1823 728
प्रेस अधिनियम, 1835 या मेटकाफ अधिनियम 729
अनुज्ञप्ति अधिनियम, 1857 729
पंजीकरण अधिनियम, 1867 729
प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने हेतु प्रारंभिक राष्ट्रवादियों के प्रयास 729
वर्नैक्युलर प्रेस एक्ट, 1878 731
राष्ट्रवादी पत्रकारों का दमन जारी 732
प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एवं उसके पश्चात 735
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 735
स्वतंत्रता के पश्चात 735
सारांश 737

30. शिक्षा का विकास 738

कंपनी शासन के अंतर्गत 738
1813 के चार्टर एक्ट से प्रशंसनीय शुरुआत 739
आंग्ल-प्राच्य विवाद 740
लॉर्ड मैकाले का स्मरण-पत्र, 1835 740
थॉमसन के प्रयास 741
चार्ल्स वुड का डिस्पैच (1854) 741
क्राउन के शासनाधीन शिक्षा का विकास 742
हंटर शिक्षा आयोग (1882-83) 742
भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 1904 743
शिक्षा नीति पर सरकारी प्रस्ताव, 1913 744
सैडलर विश्वविद्यालय आयोग (1917-19) 745
द्वैध शासन के अधीन शिक्षा 747
हार्टोग समिति (1929) 747

शिक्षा पर सार्जेंट योजना 749
देशी-भाषाई (वर्नैक्युलर) या स्थानीय शिक्षा का विकास 751
तकनीकी शिक्षा का विकास 753
अंग्रेजों की शिक्षा नीति का मूल्यांकन 753
सारांश 754
बॉक्स
मूलभूत शिक्षा की वर्धा योजना (1937) 752

31. कृषक आंदोलन (1857-1947) 756

प्रारंभिक कृषक आंदोलनों का सिंहावलोकन 756
नील आंदोलन (1859-60) 757
पाबना विद्रोह (1873-76) 758
दक्कन विद्रोह 759
1857 के पश्चात किसान आंदोलनों का परिवर्तित चरित्र 760
दुर्बलताएं 761
बीसवीं शताब्दी के कृषक आंदोलन 761
किसान सभा आंदोलन 761
एका आंदोलन 762
मोपला विद्रोह 763
बारदोली सत्याग्रह 764
1930-40 के दशक के किसान आंदोलन 765
कीर्ति किसान आंदोलन 765
अखिल भारतीय किसान कांग्रेस/सभा 766
कांग्रेस शासन के अधीन 766
प्रांतों में किसानों की गतिविधियां 767
केरल 767
आंध्र प्रदेश 767
बिहार 767
पंजाब 768
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान किसान आंदोलन 768
द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात 768
किसान आंदोलनों की उपलब्धियां 770
सारांश 771

32. श्रमिक वर्ग आंदोलन 772

प्रारंभिक प्रयास 772

स्वदेशी आंदोलन के दौरान 775
प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एवं उसके उपरांत 776
एटक की स्थापना 777
ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 778
1920 के दशक के उत्तरार्द्ध में 778
मेरठ षड्यंत्र केस (1929) 779
राष्ट्रवादी आंदोलन में श्रमिकों की भागीदारी 780
कांग्रेसी सरकारों के समय 780
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एवं उसके उपरांत 781
स्वतंत्रता के पश्चात 782
सारांश 782

इकाई 10 अध्याय 33-49

स्वतंत्रता एवं स्वातंत्र्योत्तर विकास

33. नवोदित राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां 783

स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापना 783
स्वतंत्रता पश्चात प्रथम सरकार 784
चुनौतियां 785
रेडक्लिफ सीमा निर्णय और सांप्रदायिक दंगे 785
सीमा आयोग के सम्मुख चुनौतियां 786
सांप्रदायिक दंगों से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र 787
संसाधनों के विभाजन से संबद्ध चुनौतियां 787
सिविल सरकार का विभाजन 788
वित्त का विभाजन 789
सैन्य कर्मियों तथा साजो-सामान का विभाजन 789
महात्मा गांधी की हत्या 789
शरणार्थियों का पुनर्वास एवं बंदोबस्त 790
पूर्वी पंजाब 790
बंगाल 791
अल्पसंख्यकों हेतु दिल्ली पैक्ट 791
भारत में शरणार्थी पुनर्वास केंद्र 792
साम्यवादी (कम्युनिस्ट) और स्वतंत्रता 792
स्वतंत्रता को लेकर साम्यवादी संशयवादी क्यों थे 793
प्रतिरोधी रणनीति से संवैधानिक लोकतंत्र की ओर कूच 793
सारांश 794

34. भारतीय रियासतें **795**

ब्रिटिश शासन तथा रियासतों के बीच संबंधों का क्रमिक विकास 795
संबंधों के पनपने के चरण 795
जनमत संग्रह एवं सैन्य कार्यवाही 800
जूनागढ़ 800
हैदराबाद 800
कश्मीर 800
क्रमिक एकीकरण 801
सारांश 802

35. भारतीय संविधान का निर्माण **803**

संविधान सभा की पृष्ठभूमि 803
संविधान सभा 805
रचना एवं प्रकृति 805
संविधान सभा का प्रतिनिधिक स्वरूप 807
संविधान सभा का मूल्यांकन 807
स्वतंत्रता के पश्चात 809
कार्य: समितियां एवं सहमति 809
सारांश 811

36. राष्ट्रवादी विदेश नीति का विकास **812**

ऐतिहासिक परिदृश्य 812
1880 से प्रथम विश्व युद्ध तक: साम्राज्यवाद विरोधी एवं एशिया समर्थक भावनाएं 812
प्रथम विश्व युद्ध 813
1920 एवं 1930 के दशक में–समाजवादियों के साथ समीकरण स्थापित करना 814
1936 के पश्चात–फासीवाद विरोधी रवैया 814
स्वतंत्रता के उपरांत 815
पंचशील एवं गुटनिरपेक्षता 816
सारांश 820
बॉक्स
गुटनिरपेक्ष देशों का प्रथम सम्मेलन 818
गुटनिरपेक्षता के प्रमुख लक्ष्य एवं विशेषताएं 819

37. प्रथम आम चुनाव **821**

चुनावों के आयोजन हेतु मूलभूत कार्य 821
निर्वाचन आयोग 821
चुनाव हेतु विधान 821
स्वतंत्र भारत के प्रथम चुनाव 822
चुनौतियां 822
चुनावों में भाग लेने वाले राजनीतिक दल 823
चुनावों का आयोजन 825
चुनाव परिणाम 825
सारांश 827
तालिका
प्रथम आम चुनाव (1951-52) में सीट प्राप्त करने वाले दल 826

38. नेहरू के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत (1947-1964) **828**

राजनीतिक विकास 828
राष्ट्रीय भाषा को लेकर विचार-विमर्श 829
राज्यों का भाषाई पुनर्गठन 829
अन्य राजनीतिक दलों का विकास 831
एक अलोकतांत्रिक कार्य 835
आर्थिक विकास हेतु नियोजन की अवधारणा 836
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास 837
सामाजिक विकास 838
शिक्षा में विकास 838
नेहरू के अधीन सामाजिक परिवर्तन 839
विदेश नीति 839
भारत के पड़ोसी देशों से संबंध 840
भारत एवं पाकिस्तान 840
भारत और चीन 842
भारत और नेपाल 844
भारत और भूटान 844
भारत और श्रीलंका 844

39. लाल बहादुर शास्त्री का प्रधानमंत्रित्व काल (जून 1964-जनवरी 1966) **845**

सरकार की अगुवाई के लिए लाल बहादुर शास्त्री का चयन 845
प्रारंभिक जीवन 846

स्वतंत्रता पश्चात राजनीतिक यात्रा 846
प्रधानमंत्रित्व काल–परिवर्तन के साथ नेहरू की विरासत की निरंतरता 847
चुनौतियां 848
आर्थिक विचार 848
आर्थिक सुधार का एक अग्रदूत 848
हरित क्रांति और श्वेत क्रांति का बीजारोपण 849
एक समय का भोजन त्यागने का विचार 850
नवीन संस्थाएं एवं परियोजनाएं 850
विदेश संबंध 851
भारत-पाकिस्तान युद्ध 851
ताशकंद में शांति समझौता 852
शास्त्री जी की रहस्यमयी मृत्यु 854
बॉक्स
ताशकंद घोषणा 853

40. इंदिरा गांधी: प्रथम चरण (जनवरी 1966-मार्च 1977) 855

प्रारंभिक जीवन 855
स्वतंत्रता पश्चात राजनैतिक जीवन 856
प्रधानमंत्री पद पर 857
कांग्रेस विभाजन और केंद्र में अल्पमत सरकार 857
1971 के चुनाव–इंदिरा गांधी की विजय 858
समस्याएं 859
जे.पी. आंदोलन 859
इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय और आपातकाल लगाया जाना 861
आपातकाल की स्थिति (1975-1977) 862
1977 के चुनाव 865
राजनीतिक व्यवस्था में प्रगति 867
कांग्रेस में परिवर्तन 867
क्षेत्रीय हितों में वृद्धि और राज्यों में विकासक्रम 867
सिक्किम का समामेलन 871
हिंदी विरोधी उपद्रवों के नियंत्रण हेतु भाषा नीति 871
शक्ति का केंद्रीकरण और समाजवादी मार्ग 871
न्यायपालिका के पंख कतरने का प्रयास 872
बयालीसवां संविधान संशोधन अधिनियम–एक संक्षिप्त संविधान 873
सामाजिक-आर्थिक नीतियां 874

अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण 874
राजसी विशेषाधिकारों का उन्मूलन 875
एमआरटीपी अधिनियम 876
समानता कायम करने और निर्धनता उन्मूलन हेतु कदम 876
आर्थिक समस्याओं से जूझना 876
रुपये का अवमूल्यन 877
चौथी पंचवर्षीय योजना 878
हरित क्रांति की सफलता 878
पांचवीं पंचवर्षीय योजना 878
भारत-पाक युद्ध और बांग्लादेश का जन्म 879
पाकिस्तान में 1970 का चुनाव और पूर्वी पाकिस्तान में असंतोष 879
भारत में शरणार्थियों का अंतर्वाह एवं भारतीय प्रत्युत्तर 880
पूर्वी पाकिस्तान का युद्ध एवं मुक्ति 881
शिमला समझौता 882
अन्य देशों के साथ विदेश नीति एवं संबंध 885
बांग्लादेश 885
श्रीलंका 885
सोवियत संघ 886
संयुक्त राज्य अमेरिका 886
पश्चिम एशिया 886
एशिया-प्रशांत 887
अफ्रीका 887
स्माइलिंग बुद्धा 888
बॉक्स
इंदिरा गांधी और जे.पी.—क्या दोनों ही दोषी थे? 860
शिमला समझौते के प्रमुख बिंदु 883

41. जनता पार्टी का शासनकाल (मार्च 1977-जनवरी 1980) 889
मोरारजी देसाई—पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री 889
राज्य विधानमंडल चुनाव 889
भारत के नए राष्ट्रपति 890
जनता पार्टी की लोकप्रियता में कमी और कांग्रेस (आई) का उत्थान 890
अनावश्यक आयोगों का गठन 890
बेलची और इंदिरा गांधी का जोरदार वार 891
इंदिरा गांधी को लाभ 891
जनता पार्टी के भीतर अंतर्विरोध और मोरारजी देसाई सरकार का पतन 892

चरण सिंह की सरकार का गिरना 892
लोक सभा चुनाव और जनता पार्टी शासन का अंत 893
जनता शासन की विरासत 893
लोकतांत्रिक अधिकारों की पुन: स्थापना 893
आर्थिक मतभेद 894
विदेश संबंध 895
सामाजिक परिवर्तन एवं आंदोलन 896

42. इंदिरा गांधी: दूसरा चरण (जनवरी 1980-अक्टूबर 1984) 897

अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण 897
विदेश संबंध 898
श्रीलंका एवं तमिल समस्या 898
पाकिस्तान-सियाचिन संघर्ष 899
गुट-निरपेक्ष आंदोलन 899
राज्यों में असंतोष 900
पंजाब अशांति और ऑपरेशन ब्लू स्टार 900
परिणाम 902
इंदिरा गांधी की हत्या 902
विरासत 902
बॉक्स
अंतरिक्ष में भारत के अंतरिक्ष यात्री 898

43. राजीव गांधी का प्रधानमंत्रित्व काल (अक्टूबर 1984-दिसंबर 1989) 904

प्रधानमंत्री पद संभालते ही समस्याओं की शुरुआत 904
सिख-विरोधी दंगे 904
भोपाल गैस त्रासदी 905
1985 के आम चुनाव 906
राज्यों में तनाव से निपटना 906
घरेलू मोर्चे पर उठाए गए सकारात्मक कदम 908
दल-बदल विरोधी कानून 908
पर्यावरण संबंधी कानून 908
स्थानीय सरकार में सुधार 909
अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की ओर प्रथम कदम 909
प्रौद्योगिकी मिशन 909
कंप्यूटरीकरण 910
शिक्षा नीति 910

नकारात्मक पहलू 910
शाहबानो प्रकरण 910
बाबरी मस्जिद का दरवाजा खोलने का मामला 911
बोफोर्स घोटाला 912
किसान असंतोष 913
विदेश संबंध 914
भारत और चीन 914
श्रीलंका में आईपीकेएफ दुर्घटना 915
1989 के आम चुनाव 917

44. वी.पी. सिंह और चंद्र शेखर का शासनकाल (1989-91) 918

वी.पी. सिंह की सरकार (दिसंबर 1989–नवंबर 1990) 918
कश्मीर के बेकाबू हालात 918
मंडल आयोग की रिपोर्ट का क्रियान्वयन 919
मंडल से मंदिर: रथ यात्रा और सरकार का पतन 920
चंद्र शेखर सरकार 921
अशांत अर्थव्यवस्था 921
1991 के चुनाव 922

45. नरसिम्हा राव का प्रधानमंत्रित्व काल (1991-96) 923

आर्थिक सुधार 923
पंचायती राज एवं नगरपालिका अधिनियम 925
सुरक्षा मामलों एवं अंतरिक्ष तकनीक को संभाला 925
विदेश नीति 925
नकारात्मक पहलू 926
बाबरी मस्जिद विध्वंस 926
भ्रष्टाचार संबंधी घोटाले 928
कश्मीर 929
1996 के आम चुनाव 929
दलित स्वरों का मुखर होना 929

46. तीन वर्षों में तीन प्रधानमंत्रियों का शासन (1996-99) 931

प्रधानमंत्री के रूप में वाजपेयी का अल्पकाल 931
राष्ट्रीय मोर्चा सरकार: देवेगौड़ा एवं आई.के. गुजराल 931
देवेगौड़ा सरकार (1996-97) 931
गुजराल सरकार (1997-98) 932
1998 के आम चुनाव 933

47. एनडीए सरकार (1998-2004) 934

एनडीए सरकार: पहला कार्यकाल (मार्च 1998–अक्टूबर 1999) 934
पोखरण-II: ऑपरेशन शक्ति 935
लाहौर सम्मेलन 935
कारगिल युद्ध (1999) 936
एनडीए सरकार: दूसरा कार्यकाल (अक्टूबर 1999-मई 2004) 936
आर्थिक एवं सामाजिक कदम 937
आतंकवादी मुसीबतें और पाकिस्तान से संबंध 937
अमेरिका से संबंध 938
कश्मीर चुनाव 938
नकारात्मक पहलू 938
एनडीए का महत्व 939
2004 के आम चुनाव 939

48. यूपीए सरकार (2004-2014) 940

यूपीए सरकार का प्रथम कार्यकाल (मई 2004-मई 2009) 940
सामाजिक कल्याण एवं अन्य सुधार संबंधी कदम 940
विदेश संबंध 941
नया राष्ट्रपति 942
आतंकी हमले 942
राज्यों में स्थिति 943
कश्मीर में बिगड़ते हालात 943
2009 के आम चुनाव 944
यूपीए सरकार: द्वितीय कार्यकाल (मई 2009-मई 2014) 944
तेलंगाना मुद्दा 944
पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक परिवर्तन 945
सामाजिक कल्याण संबंधी कदम एवं कानून 945
मंगल के लिए अंतरिक्ष अभियान 948
भ्रष्टाचार आरोप एवं लोकपाल अधिनियम 948
आम चुनाव से पूर्व की दशाएं 950
2014 के आम चुनाव 951

49. एनडीए सरकार (2014 से अभी तक) 953

एनडीए सरकार (मई 2014-मई 2019) 953
डिजिटल इंडिया: ई-गवर्नेंस की दिशा में एक कदम 953

	सामाजिक-आर्थिक नीतियां और कार्यक्रम	954
	सुरक्षा	960
	विदेश संबंध	963
	सामाजिक स्थिति	965
	2019 के आम चुनाव	967
	एनडीए ने पुनः सरकार बनाई	967
	एनडीए की विजय के कारक	968
	एनडीए के दूसरे कार्यकाल में कतिपय उल्लेखनीय कार्य	968
	देश में कोविड-19 महामारी का प्रभाव	972
	स्वतंत्रता का 75वां वर्ष (2021-22)	975
	द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित	975
	पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप–AAP) की सरकार	975
	एनडीए की तीसरी ऐतिहासिक जीत	976
परिशिष्ट		**978**
1.	भारत के गवर्नर-जनरल तथा वायसरायः उनके शासनकाल की महत्वपूर्ण घटनायें	978
2.	राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न चरणों से संबद्ध व्यक्तित्व	988
	स्वदेशी आंदोलन	988
	असहयोग आंदोलन और 1920 का दशक	994
	सविनय अवज्ञा आंदोलन तथा 1930 का दशक	998
	भारत छोड़ो आंदोलन और 1940 का दशक	1004
3.	महिला स्वतंत्रता सेनानी	1007
4.	राष्ट्रवादी दौर के प्रसिद्ध अभियोग/केस	1027
5.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन (1885-1950)	1029
6.	जातीय आंदोलन	1033
7.	ब्रिटिश शासनकाल के प्रमुख कानून	1035
8.	ब्रिटिश शासनकाल के प्रमुख शिष्टमंडल	1036
9.	ब्रिटिश काल में विदेशों पर अधिकार	1037
10.	भारतीय क्रांतिकारी संगठन	1038
11.	प्रमुख नारे	1039
12.	आधुनिक भारत में अकाल आयोग/समितियां	1041
13.	ब्रिटिश शासनकाल में अर्थव्यवस्था व वित्त संबंधी आयोग एवं समितियां	1042
14.	समाचार-पत्र एवं जर्नल्स	1044
	संदर्भ	1048